www.gujaratstudy.com

[4] Seat No. _________ No. of printed page: 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BA (I- Semester) (NC) Examination
Saturday, 25th March
2017
2.00 pm - 5.00 pm
UA01CHLT01 - Hindi - II
आधुनिक हिन्दी काव्य (रश्मिरथी)

कुल गुण : ७०

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है ।

प्र.१ सप्रसंग व्याख्या लिखिए । **(कोई तीन)** (१५)

(क) मित्रता बड़ा अनमोल रतन, कब इसे तोल सकता है धन ?
धरती की तो है क्या बिसात ? आ जाय अगर बैकुण्ठ हाथ ?
उसका भी न्यौछावर कर दूँ ।
कुरूपति के चरणों पर धर दूँ ।

(ख) मैं देख रहा हूँ जननि ! कि कल क्या होगा ।
इस महासागर का अंतिम फल क्या होगा ।
लेकिन, तब भी मन तनिक न घबराता है,
उत्साह और दुगुना बढ़ता जाता है ।

(ग) नहीं फूलते कुसुम मात्र शाखाओं के उपवन में
अमित बार खिलते वे पुर से दूर कुंज-कानन में ।
समझे कौन रहस्य ? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल,
गुदडी में रखती चुन-चुनकर बड़े कीमती लाल ।

(घ) तू दानी, मैं कुटिल प्रवंचक, तू पवित्र मैं पापी,
तू देकर भी सुखी और मैं लेकर भी परितापी ।
तू पहुँचा है जहाँ कर्ण, देवत्त्व न जा सकता है,
इस महान पद को कोई मानव ही पा सकता है ।

(च) पूछो मेरी जाति, शक्ति हो तो मेरे भुजबल से,
रवि समान दीपित ललाट से, और कवच कुंडल से,
पढो उसे जो झलक रहा है, मुझ में तेज प्रकाश,
मेरे रोम-रोम में अंकित है मेरा इतिहास ।

www.gujaratstudy.com

प्र.२ 'रश्मिरथी' खण्ड काव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए । (२०)

(क) रश्मिरथी का कृष्ण।

(ख) रश्मिरथी के संवाद ।

प्र.३ रश्मिरथी खण्डकाव्य की समस्याओं पर प्रकाश डालिए । (२०)

अथवा

प्र.३ संक्षेप में लिखिए । (२०)

(१) रश्मिरथी की भाषा-शैली ।

(२) रश्मिरथी की परशुराम ।

प्र.४ संक्षेप में लिखिए। **(कोई एक)** (०८)

(१) 'रश्मिरथी' के प्रथम सर्ग का कथानक ।

(२) रश्मिरथी का नामकरण ।

प्र.५ निम्नलिखित अतिलघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(कोई सात)** (०७)

(१) रश्मिरथी के कवि का नाम बताइए?

(२) रश्मिरथी का नायक कौन है?

(३) कर्ण की मृत्यु किसके द्वारा हुई?

(४) कृपाचार्यने कर्ण को क्या पूछा?

(५) कर्ण को दानवीर क्यों कहा जाता है?

(६) परशुरामने क्या प्रतिज्ञा की थी?

(७) ' रश्मिरथी ' नाम किसके लिए प्रयुक्त है?

(८) एकध्नी अस्त्र की क्या विशेषता है?

(९) कर्ण के पिता का क्या नाम है?

******